खास खबरें

बंगाल का रण जीतने को 5 जिलों पर फोकस कर रही भाजपा, बनाई स्पेशल रणनीति

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने अपने 22 नेताओं को पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों के साथ बंगाल चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है। ये नेता संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में डेरा डालेंगे, जहां का उन्हें प्रभार दिया गया है। सूत्रों ने कहा है कि पार्टी ने यह सुनिश्चित किया है कि अधिकांश नेता राज्य के मतदाताओं के साथ घुलने-मिलने की कोशिश करेंगे। स्थानीय नेताओं की सहायता के लिए केंद्रीय नेताओं की टीमें तैनात की गई हैं। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को कोलकाता उत्तर का प्रभार दिया गया है, जिसमें खारदाह, उत्तर दमदम, कमरहाटी, पनिहाटी, बारानगर, दमदम, राजारहाट नया शहर, बिधाननगर और राजार गोपालपुर की सीटें शामिल हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री राधमोहन सिंह को नौ विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी मिली हैं। उनके पास हावड़ा ग्रामीण में पाच निर्वाचन क्षेत्र भी हैं। केंद्रीय मंत्री आर के सिंह बैरकपुर में तैनात रहेंगे और पांच विधानसभाओं भाटपारा, नैहाटी, जगतदल, नोआपारा और बैरकपुर में पार्टी के लिए चुनावी रणनीति बनाएंगे।

गुजरात इकाई के महासचिव प्रदीपसिंह वाघेला बोंगन जिले के पांच निर्वाचन क्षेत्रों की निगरानी करेंगे, जबकि बसंत कुमार पांडा बैराठोर, बारासात और बैरकपुर जिलों के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों के प्रभारी होंगे। भाजपा सांसद और एससी मोर्चा अध्यक्ष विनोद सोनकर बशीरहाट के चार निर्वाचन क्षेत्रों का काम देखेंगे।

पश्चिम बंगाल में तैयारियों का मुआयना करने पहुंचे दो चुनाव पर्यवेक्षक

नंदीग्राम (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तैयारियों का मुआयना करने दो विशेष चुनाव पर्यवेक्षक शुक्रवार को पूर्व मेदिनीपुर जिला पहुंचे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विशेष पर्यवेक्षक अजय नायक और विशेष पुलिस पर्यवेक्षक विवके दुबे पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और झाड़ग्राम के जिला मजिस्ट्रेट, एसपी और चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के घायल होने की घटना के बाद , हमें अधिक एहतियात बरतने की जरूरत है। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री जैसे कई वीवीआईपी चुनाव से पहले जिले में प्रचार के लिए आने वाले हैं और हमें अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के समय अज्ञात लोगों द्वारा कथित तौर पर धक्का दिए जाने के बाद बनर्जी घायल हो गई थीं। पश्चिम बंगाल में 27 मार्च से विधानसभा चुनाव शुरू हो रहे हैं। यहां आठ चरणों में चुनाव संपन्न होगा।

द्रमुक ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा के लिए छह अप्रैल को होने वाले चुनाव में द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन एक बार फिर शहर के कोलाथुर सीट से सियासी किस्मत आजमाएंगे, वहीं उनके पुत्र उदयनिधि महानगर में चेपक-त्रिपलिकाने से चुनावी मैदान में पहली बार उतरेंगे। स्टालिन ने चुनाव के लिए सभी 173 उम्मीदवारों की सूची जारी की। वरिष्ठ नेताओं दुरई मुरुगन, के एन नेहरू, के पोनमुडी और एमआरके पनीरसेल्वम समेत ज्यादातर मौजूदा विधायक फिर से चुनावी मुकाबले में अपना जोर आजमाएंगे। चेन्नई के द्रमुक मुख्यालय 'अन्ना अरिवालयम' में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि वह 15 मार्च को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। द्रमुक राज्य में वर्ष 2011 से सत्ता से बाहर है। पार्टी ने अन्नाद्रमुक को सत्ता से हटाने के लिए कांग्रेस, वाम, एमडीएमके, वीसीके तथा अन्य छोटे दलों के साथ समझौता किया है और विधानसभा की कुल 234 सीटों में से उनके लिए 61 सीटें छोड़ी है। स्टालिन ने कहा कि चूंकि एमडीएमके समेत विभिन्न दल द्रमुक के 'उगता सूरज' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेंगे इसलिए गठबंधन का अग्रणी भागीदार दल 187 सीटों पर मुकाबले में होगा।

झाड़ फूंक से कोरोना भगा रहा था तंजानिया का राष्ट्रपति, अब खुद संक्रमित, भारत में करा रहा 'इलाज'

तंजानिया । कोरोनावायरस महामारी का एक साल से अधिक समय से दुनियाभर के मुल्क दंश झेल रहे हैं। ऐसे में कुछ लोग अभी भी हैं, जिन्हें इस बीमारी को लेकर संदेह हैं। इसमें तंजानिया के राष्ट्रपति जॉन मागुफुली भी शामिल हैं। लेकिन अब मागुफुली को लेकर एक सनसनीखेज दावा किया गया है। दरअसल, तंजानिया के मुख्य विपक्षी नेता ने कहा है कि राष्ट्रपति जॉन मागुफुली कोरोनावायरस से संक्रमित हो गए हैं ।

वैक्सीन के निर्यात पर रोक वाले दावों का अमेरिका ने किया खंडन, कहा-

वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर करेंगे काम

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने गुरुवार को उन सभी खबरों को खारिज कर दिया है, जिसमें उनके द्वारा कोविड-19 वैक्सीन के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी। कुछ खबरों में दावा किया गया था कि अमेरिका ने यूरोपीय संघ को कहा कि उसे कोविड-19 रोधी वैक्सीन 'एस्ट्राजेनिका' की खेप हाल-फिलहाल में तो नहीं मिलने वाली है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने इस बात की जानकरी दी है।

उन्होंने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम 'एस्ट्राजेनिका' के उत्पाद को खरीदते नहीं है। इसलिए उसपर निर्यात संबंधी कोई रोक नहीं है और अमेरिका के सभी वैक्सीन निर्माता अमेरिकी सरकार के साथ अपने अनुबंध की शर्तें पूरी करते हुए अपने उत्पाद का कहीं भी निर्यात कर सकते हैं।' साकी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्होंने निजी तौर पर और सार्वजनिक तौर पर भी कहा है कि उनकी प्राथमिकता है कि अमेरिकी लोगों को वैक्सीन मिले।

अमेरिका में 527,726 लोगों की मौत

साकी ने कहा, 'यह हमारी पहली प्राथमिकता है। लेकिन साथ ही हम वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर इस दिशा में भी काम कर रहे हैं कि दुनियाभर में महामारी को कैसे नियंत्रित किया जाए। इससे पहले राष्ट्रपति बाइडेन ने पहली बार कोरोना वायरस को लेकर देश को भी संबोधित किया है। उन्होंने इस दौरान कहा कि अमेरिका में कोरोना वायरस के कारण जितनी मौत हुई हैं, उतनी मौत पहले और दूसरे विश्व युद्ध, वियतनाम युद्ध और 9/11 हमले में होने वाली कुल मौत से भी अधिक हैं। अमेरिका में कोरोना से 527,726 लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही उन्होंने देश के सभी राज्यों को आदेश दिया है कि वह 1 मई से वयस्कों का टीकाकरण शुरू कर दें। बाइडेन ने कहा, 'एक साल पहले, हमपर चुपचाप एक वायरस ने हमला किया और अनियंत्रित होकर फैलता गया। कई दिनों, फिर हफ्तों, फिर महीनों में अधिक मौत होती गईं, अधिक तनाव और अकेलापन। हालांकि ये सभी के लिए अलग था।

एक बड़े त्याग जैसा।' इससे पहले बाइडेन ने 19 खरब अमेरिकी डॉलर के राहत पैकेज पर हस्ताक्षर किए हैं। राष्ट्रपति ने कहा है कि इस राहत पैकेज से कोरोना वायरस के कारण दिक्कतें झेल रहे लोगों, कारोबारियों को मदद मिलेगी और अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा।

200 रुपए से भी कम हो जाएगी एक डोज की कीमत, केंद्र सरकार ने किया खुलासा

नई दिल्ली

देश में कोरोना वैक्सीनेशन का दूसरा फेज चल रहा है। इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने वैक्सीन की कीमत को लेकर नया खुलासा किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि वैक्सीन की कीमतों को लेकर निर्माता कंपनी से दोबारा बात की गई है। वैक्सीन की कीमत अब 200 रुपए से भी कम हो जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय सचिव ने कहा कि कोविशील्ड की कीमत अब प्रति डोज अब 200 रुपए से भी कम होगी।

अब तक प्राइवेट अस्पतालों में वैक्सीन की एक डोज की कीमत 250 रुपए है। इसमें 150 रुपए वैक्सीन की डोज की कीमत जबकि 100 रुपए सर्विस चार्ज वसूला जा रहा है। वैक्सीन की कीमतों के कम होने के पीछे की वजह इसके उत्पादन बढ़ने को बताया जा रहा है। भारत की वैक्सीन दुनिया में इस वक्त सबसे सस्ती है, जबकि चीन की वैक्सीन इस दुनिया की सबसे ज्यादा महंगी है। भारत की तुलना में चीन की वैक्सीन करीब 9 गुना ज्यादा कीमत की है।

देश में 2.60 करोड़ लग चुकी हैं वैक्सीन : स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक महाशिवरात्रि के कारण बृहस्पतिवार को कम लोग टीके के लिए आए। शाम सात बजे तक कुल 3,89,337 लोगों को टीके की खुराक दी गयी। देश में अब तक टीके की 2.60 करोड़ से ज्यादा खुराक दी गयीं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बृहस्पतिवार शाम सात बजे तक कोविड-19 टीके की कुल 2,60,73,517 खुराकें दी गयी हैं। इनमें से 72,16,759 स्वास्थ्यकर्मियों को पहली खुराक दी गयी, जबकि 40,48,754 को दूसरी खुराक दी गयी। 71,16,849 फ्रंटलाइन वर्कर्स को पहली खुराक और 6,70,813 कर्मियों को दूसरी खुराक दी गयी है। टीकाकरण अभियान में 59,98,754 वरिष्ठ नागरिकों और विभिन्न रोगों से ग्रस्त 45 साल से ज्यादा उम्र के 10,21,588 लोगों को कोरोना वैक्सीन की डोज दी गई है।

सीएम योगी सख्त! सड़क किनारे जमीन घेरकर बनाए गए धार्मिक स्थलों को तुरंत हटाने के आदेश

नई दिल्ली । यूपी में सड़क किनारे नियमों का उल्लंघन कर जमीन घेरकर बनाए गए सभी धार्मिक स्थलों को हटाया जाएगा, ऐसा आदेश सरकार की तरफ से दिया गया है। योगी सरकार की तरफ से इस बारे में सभी जिलाधिकारियों और कमिश्नरों को आदेश जारी किया गया है। यूपी के चीफ सेक्रेटरी होम अनवीश अवस्थी ने इस बारे में आदेश जारी किया है। सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को इस बारे में चिट्ठी लिखी गई है। चिट्ठी के जरिए आदेश दिया गया है कि सड़क के किनारे धार्मिक स्थलों के नाम पर जो भी वॉयलेशन किया गया है, उन सभी को हटाया जाए। इसके साथ ही सरकार ने 14 मार्च तक इस मामले पर रिपोर्ट भी मांगी है। अपनी रिपोर्ट में सभी जिलाधिकारियों को ये बताना होगा कि कितनी सार्वजनिक जगहों को वॉयलेशन से खाली कराया गया है। सीएम योगी का सख्त आदेश है कि सड़क किनारे नियमों का उल्लंघन कर धार्मिल स्थलों के नाम पर जो भी अतिक्रमण किया गया है उसे जल्द ही हटवाया जाए। सीएम का ये आदेश सभी जिलाधिकारियों और कमिश्नरों तक पहुंच गया है।

ममता के पास नहीं है कोई घर और गाड़ी

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार (10 मार्च) को नंदीग्राम सीट से नामांकन दाखिल किया था। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में अपनी संपत्ति की जानकारी दी है और बताया है कि उनकी संपत्ति 16.72 लाख रुपये है। इसके साथ ही उन्होंने बताया है कि उनके पास कोई गाड़ी, घर या जमीन नहीं है और ना ही उनके खिलाफ कोई केस दर्ज है।

ममता बनर्जी की संपत्ति पिछले चुनाव के मुकाबले कम हो गई है। उन्होंने साल 2016 में हुए विधान सभा चुनाव के दौरान दिए हलफनामे में बताया था कि उनकी कुल चल संपत्ति 3045 लाख रुपये थी, जो अब कम होकर 16.72 लाख रुपये हो गई है। साल 2019-20 के दौरान ममता बनर्जी की आमदनी 10 लाख 34 हजार 370 रुपये थी। चुनावी हलफनामे के अनुसार, ममता बनर्जी के पास बैंक में कुल 13.53 लाख रुपये जमा हैं, जबकि नकद में उनके पास 69,255 रुपये हैं, जिसमें चुनावी खर्च के 1.51 लाख रुपये भी शामिल हैं। ममता ने कई किताबें लिखी हैं, जिनसे उन्हें 930 रुपये की रॉयल्टी भी मिली है। हलफनामे में दी गई जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी ने साल 2019-20 में 1.85 लाख रुपये का टीडीएस चुकाया है। हलफनामे में दी गई जानकारी में ममता बनर्जी ने बताया है कि उन्होंने एनएससी में 18,490 रुपये का निवेश किया है। इसके अलावा पास 9 ग्राम सोना भी है, जिसकी कीमत 43,837 रुपये है। पिछले चुनाव में भी ममता बनर्जी के पास 9 ग्राम सोना था, जिसकी कीमत उस समय उन्होंने 26,380 रुपये बताया था। बता दें कि पश्चिम बंगाल की 294 विधान सभा सीटों के लिए 8 चरणों में वोटिंग होगी। राज्य में 27 मार्च को पहले चरण की वोटिंग होगी, जिसमें नंदीग्राम सीट भी शामिल है। इस सीट से ममता बनर्जी का मुकाबला उनके पुराने सहयोगी और बीजेपी उम्मीदवार शुवेंदु अधिकारी से है। पश्चिम बंगाल में 27 मार्च के बाद एक अप्रैल, 6 अप्रैल, 10 अप्रैल, 17 अप्रैल, 22 अप्रैल, 26 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होंगे, जबकि चुनाव परिणाम 2 मई को आएंगे। पहले और दूसरे चरण में 30-30 सीटों, तीसरे चरण में 31 सीटों, चौथे चरण में 44 सीटों, पांचवें चरण में 45 सीटों, छठे चरण में 43 सीटों, सातवें चरण में 36 सीटों और आठवें चरण में 35 सीटों पर मतदान करवाया जाएगा।

इंडोनेशिया में भारी बारिश के बाद बाढ़ ग्रस्त इलाके नजर आये।

ब्रिटेन ने म्यांमार में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी, देश छोड़कर तुरंत लौटने को कहा

नई दिल्ली। म्यांमार में इस समय हालात बेहद खराब हैं। जिसपर संयुक्त राष्ट्र सहित दुनिया के कई देशों ने चिंता जताई है। अब ब्रिटेन ने म्यांमार में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। म्यांमार में ब्रिटेन के दूतावास की ओर से कहा गया है, 'म्यांमार में ब्रिटिश नागरिकों के लिए सलाह- जब तक आपके पास देश (म्यांमार) में रहने के लिए उचित कारण नहीं है, आपको ये देश छोड़ देना चाहिए। दूतावास और ब्रिटेन की सरकार म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी का समर्थन करने और हिंसा को खत्म करने के लिए काम करते रहेंगे।' इससे पहले ब्रिटेन ने कहा था कि म्यांमार में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा बेहद घिनौनी है। साथ ही ब्रिटेन ने सैन्य नेताओं से लोकतंत्र को बहाल करने का आह्वान किया था।

यूएई ने पाकिस्तान को कहा- तत्काल लौटाएं एक अरब डॉलर, मुश्किल में घिरे इमरान खान के हाथ-पांव फूले

इस्लामाबाद

आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान के और भी बुरे दिन आने वाले हैं। संयुक्त अरब अमीरात ने पाकिस्तान से अपने एक अरब डॉलर को तत्काल लौटाने को कहा है।

ये पैसा स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान में जमा है। श्व के इस सख्त रुख के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के हाथ-पांव फूल गए हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए। इससे पहले जब सऊदी अरब ने सख्ती दिखाई थी तो इमरान खान ने चीन के सामने झोली फैला दी थी, लेकिन इस बार शायद चीन भी उसकी मदद न करे।

यूएई का कहना है कि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान में रखा पैसा इसलिए वापस मांगा जा रहा है, क्योंकि उसकी मैच्योरिटी हो गई है। हमारी सहयोगी वेबसाइट में छपी खबर के अनुसार, पाकिस्तान से संपर्क करने की लगातार कोशिश कर रहा है। खासतौर पर वह क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात करके रहम की गुहार लगाना चाहता है, लेकिन अब तक उसे कोई सफलता नहीं मिली है।

म्यांमार की सेना ने आंग सान सू की पर लगाया अब तक का सबसे बड़ा आरोप,

11 किलो सोना और 4.36 करोड़ की रिश्वत का दावा

नई दिल्ली

म्यांमार के सैन्य शासकों ने अपदस्त नेता आंग सान सू की पर अवैध तरीके से 6 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ 36 लाख रुपये) और 11 किलो सोना लेने का आरोप लगाया है। सेना ने देश में 1 फरवरी को तख्तापलट करने के बाद निर्वाचित सरकार को बेदखल कर दिया था और आंग सान सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया था।

आंग सान की पार्टी नेशनल लीग ऑफ डेमोक्रेसी ने नवंबर में होने वाले चुनावों में जीत दर्ज की थी।

इस देश में तख्तापलट के बाद से विरोध प्रदर्शन जारी हैं और आंग सान पर लगा ये अब तक का सबसे बड़ा आरोप भी है। सेना की ओर से इसे लेकर कोई सबूत पेश नहीं किए गए हैं। लेकिन इस आरोप की पुष्टि आंग सान की पार्टी के एक नेता ने की है। दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार जांचकर्ता ने सैन्य सरकार पर 'मानवता के खिलाफ अपराध' करने का आरोप लगाया है। थॉमस एंड्रयू ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार काउंसिल में कहा है कि म्यांमार पर इस समय 'हत्यारों, अवैध शासन का कब्जा है' जो संभावित रूप से 'व्यापक' और 'व्यवस्थित' तरीकों से हत्याएं कर रहा है और लोगों को यातनाएं दे रहा है।

उनके इन दावों का समर्थन मानवाधिकारों पर काम करने वाली संस्था एमनेस्टी ने भी किया है। एमनेस्टी ने भी म्यांमार की सेना पर हत्याएं करने का आरोप लगाया है एंड्रयू ने कहा कि म्यांमार की जुंटा (सैन्य सरकार) और सैन्य-स्वामित्व वाली म्यांमार तेल और गैस कंपनी पर प्रतिबंध लगाए जाएं, जो इस साल राजस्व में 1 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। एंड्रयू ने सैन्य सरकार के नए नेताओं और तीन अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की है। गुरुवार को भी सात से अधिक लोगों की सेना ने हत्या कर दी है। अभी तक मरने वालों की संख्या 70 से अधिक हो गई है। गवाहों का कहना है कि कई प्रदर्शनकारियों को तो सीधा सिर पर गोली मारी गई है।

स्पेशल खबर।।। *सीओ बॉर्डर ने बताया कि इस आग में कुल 14 लोगों के झुलसने की जानकारी...*

गाजियाबाद में पीपीई किट बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 14 लोग झुलसे

गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, यह आग थाना लिंक रोड के इंडस्ट्रियल एरिया के 12/71 फैक्ट्री में लगी है। जिस फैक्ट्री में यह आग लगी है, वहां मास्क और पीपीई किट बनाई जाती हैं।

फैक्ट्री में आग की सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की कई गाडियां मौके पर पहुंच गईं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, साहिबाबाद और वैशाली फायर स्टेशन की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद फायर बिग्रेड टीम ने आग पर काबू पाया। सीओ बॉर्डर ने बताया कि इस आग में कुल 14 लोगों के झुलसने की जानकारी सामने आ रही है। सीओ के मुताबिक, झुलसे लोगों में से 5 लोगों को मैक्स हॉस्पिटल में और 8 लोगों को यशोदा हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। उन्होंने बताया कि मौके पर आग बुझाने का काम चल रहा है। जिस फैक्ट्री में आग लगी है, वहां पर मास्क और पीपीई किट बनाई जाती थीं। मौके पर पहुंचे एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को सूचना मिली थी कि मेडिकल इक्विपमेंट बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। सूचना के आधार पर पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ी पहुंची और आग पर कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि शुरुआती दौर में जांच के बाद पाया गया कि इस दौरान फैक्ट्री में काम कर रही दो महिलाएं और एक नाबालिग बच्चे सहित कुल 14 लोग झुलस गए हैं। इनमें से 4 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

आग लगने के कारण साफ नहीं

सभी घायलों का अलग-अलग निजी अस्पतालों में उपचार जारी है। वहीं फायर विभाग की टीम कंपनी के अंदर तलाश कर रही है कि कोई और कैजुअल्टी तो नहीं हुई है। कंपनी में केमिकल के ड्रम में धमाके भी हुए हैं, जिससे कंपनी का कुछ हिस्सा टूट कर गिर गया है। आग लगने की अभी वजह साफ नहीं है। आग लगने के कारणों का सही से आकलन पुलिस की जांच के बाद होगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने 70 करोड़ में बेची सीनेट की सीट ! अब होगी कार्रवाई

लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और वरिष्ठ विपक्षी नेता शाहिद खाकान अब्बासी ने पीएम इमरान खान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि बलूचिस्तान के एक इंडस्ट्रलिस्ट को सीनेट का सदस्य बनाने के लिए इमरान ने 70 करोड़ रुपये लिए हैं।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के वरिष्ठ वाइस प्रेजिडेंट अब्बासी ने आरोप लगाया, मोहम्मद अब्दुल कादिर ने 3 मार्च को हुए सीनेट का चुनाव निर्दलीय के तौर पर लड़ा और उन्हें सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी तथा अन्य पार्टियों के वोट मिले। सांसदों ने खान के निर्देश पर कादिर को वोट दिया, जिन्हें उनसे 70 करोड़ पाकिस्तानी रुपये मिले थे।

अब्बासी ने बुधवार को कहा कि खान को सीनेट का टिकट बेचने के लिए जवाबदेह होना होगा। यहां तक कि सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य भी कह रहे हैं कि कादिर को सीनेट का सदस्य ही इसलिए बनाया गया है, क्योंकि उन्होंने खान को पैसे दिए हैं। अब्बासी ने चुनाव आयोग से प्रधानमंत्री द्वारा उद्योगपति को सीनेट की सीट बेचने पर कार्रवाई करने का आग्रह किया।